<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 2220

14 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात निवेशकों हेतु प्रमुख गंतव्य स्थल के रूप में भारत

2220. श्रीमती विजिला सत्यानंतः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत इस्पात निवेशकों के लिए प्रमुख गंतव्य स्थल बनने वाला है;

(ख) क्या यह भी सच है कि घरेलू इस्पात कम्पनियों को प्रतिस्पर्धी बने रहकर अपना अस्तित्व बनाए रखना पड़ता है;

(ग) क्या यह भी सच है कि कई घरेलू इस्पात कम्पनियां भारी नुकसान झेल रही थी और वे बैंक ऋण चूककर्ता बन गई हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): अवसंरचना और निर्माण क्षेत्रों में इस्पात के बढ़ते उपयोग के कारण भारतीय इस्पात बाजार का आकार बढ़ रहा है। भारत सरकार देश में इस्पात की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए इस्पात क्षेत्र में किसी भी विदेशी/निजी निवेश के लिए वचनबद्ध है।

(ख): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और घरेलू इस्पात उद्योग के लिए सरकार की भूमिका एक सुविधा प्रदाता की है। इस्पात कंपनियों को लंबे समय तक अस्तित्व में बने रहने के लिए कम लागत वाले स्थानों से कच्चे माल की प्राप्ति करके अथवा कच्चे माल की उपलब्धता हेतु खानों को अधिगृहित करके स्वयं प्रतिस्पर्धी बने रहने, संयंत्रों की कार्य क्षमता और स्केलेबिलिटी में सुधार करने और ऐसे स्थानों की पहचान करने की आवश्यकता होती है, जहाँ इस्पात की माँग उपलब्ध हो।

(ग) और (घ): वर्तमान में 5 इस्पात कंपनियों नामशः भूषण स्टील, एस्सार स्टील, इलेक्ट्रो स्टील, भूषण पावर एंड स्टील तथा मॉनेट इस्पात, जो वित्तीय दबाव में थे, के नाम एनसीएलटी में भेजे गए हैं।

*****